दिल्ल में रोजगार केन्द्रों का कार्यकरण

493. श्री भीकू राम जैन : क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में रोजगार केन्द्रों की वर्तमान संख्या क्या है और वर्ष 1980 और 1981 में कितने लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया ;

(ख) ऐसे बेरोजगार लोगों की संख्या क्या है जिन्होंने उक्त अवधि के दौरान इन रोजगार केन्द्रों में अपना पंजीकरण कराया है ;

(ग) रोजगार केन्द्रों के कार्यकरण में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं ; और

(घ) क्या सरकार का विचार दिल्ली में रोजगार केन्द्रों के कार्यकरण की जांच करने का है और इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

श्रमत्रालय मंत्र उपमंत्री (श्री धर्मवीर): (क) फिलहाल दिल्ली संघ शासित क्षेत्र के विभिन्न भागों में कार्य कर रहे रोजगार कार्यालयों की कुल संख्या 22 है। 1980-81 के दौरान दिल्ली में रोजगार कार्यालयों के माध्यम से जिन व्यक्तियों को रोजगार दिया गया था, उनकी संख्या निम्न प्रकार है :—

1980	1981
66,209	99,136

(ख) 1980 और 1981 के दौरान दिल्ली के रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत व्यक्तियों की संख्या निम्न प्रकार है :—

1980	1981
1,83,838	2,00,641

रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत सभी व्यक्ति अनिवार्यत: बेरोजगार नहीं हैं ।

(ग) सरकार ने रोजगार कार्यालयों के कार्य संचालन का अध्ययन करने तथा उपचारी उपायों का सुझाव देने हेतु मार्च, 1978 में एक राष्ट्रीय रोजगार सेवा समिति (मैथ्यू समिति) का गठन किया था। इस समिति की 41 सिफारिशों को स्वीकार करने का सरकार का निर्णय सभी राज्य सरकारों संघराज्य दोनों को सूचनार्थ पहले ही भेज दिया गया है ; दिल्ली प्रशासन ने नियमित निरीक्षण करने कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने बड़े रोजगार कार्यालयों के कार्यभार को कम करने नजफगढ़, नांगलोई तथा महरौली में स्थित तीन रोजगार सूचना सहायता केन्द्रों के अतिरिक्त कार्य को आबंटित करने तथा बड़े रोजगार कार्यालयों में जनसम्पर्क अधिकारियों को तैनात करने संबंधी कार्रवाई करनी भी शुरू कर दी है ।

(घ) ऊपर (ग) की स्थिति को ध्यान में रखते हुये प्रश्न नहीं उठता ।

Promotional Avenues for Asst. Librarian in Ministry of Home Affairs

494. SHRI D. P. YADAV: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Assistant Librarians having 15 to 20 years of service in Home Ministry Library have no promotional avenues;

(b) whether it is also a fact that as a result of great stagnation frustration has developed among them;

(c) whether it is a fact that the posts of Librarians in the Ministry of Home Affairs have been upgraded recently; if so, the reasons why the Assistant Librarians were not provided promotional avenues; and

(d) what steps Government propose to take to give some incentive to the Assistant Librarians working in the Home Ministry like introduction of selection grade as introduced in othre